|| आरती गणेश जी की ||

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥

एक दन्त दयावन्त चार भुजा धारी
माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी ॥

पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा
लड्डुअन का भोग लगे संत करें सेवा ॥

अंधे को आँख देत कोढ़िन को काया
बांझन को पुत्र देत निर्धन को माया ॥

सूर श्याम शरण आए सफल कीजे सेवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥